उत्कृष्टता की खोज सफलता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण

जैसे-जैसे किशोर विकास की जटिलताओं को पार करते हैं, उनके भविष्य को आकार देने के लिए व्यक्तिगत और शैक्षणिक लक्ष्यों को परिभाषित करना आवश्यक हो जाता है। उत्कृष्टता की खोज का तात्पर्य केवल उच्च ग्रेड या प्रशंसा प्राप्त करना नहीं है। यह एक ऐसी मानसिकता को बढ़ावा देने के बारे में है जो निरंतर सुधार, लचीलापन और आत्म-खोज को अपनाती है।
व्यक्तिगत लक्ष्य अत्यंत व्यक्तिगत होते हैं और अक्सर किसी के मूल्यों, जुनून और आकांक्षाओं को दर्शाते है। किशोरों के लिए ये लक्ष्य रिश्तों को बेहतर बनाने, नए कौशल विकसित करने या ऐसे शौक पूरे करने से लेकर हो सकते हैं जो उनके उत्साह को बढ़ाते है।
व्यक्तिगत लक्ष्यों को परिभाषित करने के लिए, किशोरों को निम्नलिखित चरणों पर विचार करना चाहिए।
आत्मचिंतन में संलग्न होकर, कार्रवाई योग्य लक्ष्य निर्धारित करके और विकास की मानसिकता को अपनाकर, युवा व्यक्ति चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और अपनी क्षमता को उजागर कर सकते है। उत्कृष्टता की खोज सफलता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह स्वयं का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने, दुनिया में सकारात्मक योगदान देने और दूसरों को प्रेरित करने के बारे में है।

– डा. मृणालिनी सिंह, प्रधानाचार्य
प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल, ग्रेटर नोएडा